अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ

राष्ट्रीय साधारण सभा

जनसेवा विद्या केन्द्र,मगदी रोड, चेनन्हल्ली, बेंगलुरु (कर्नाटक)

महामंत्री प्रतिवेदन

10 नवम्बर 2022

'राष्ट्र के हित में शिक्षा, शिक्षा के हित में शिक्षक और शिक्षक के हित में समाज' के ध्येय को दृष्टि में रखते हुए सांस्कृतिक राष्ट्रभाव के वैचारिक अधिष्ठान के साथ अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की 1988 में प्रारंभ गंगोत्री अब तक 28 राज्यों के पूर्व-प्राथमिक से विश्वविद्यालय स्तर के 12 लाख से अधिक शिक्षकों की निरंतर बढ़ती हुई सुरसरि बन चुकी है ।

स्थायी कार्यक्रम

- **कर्तव्य बोध दिवस :** 'कर्तव्य में ही अधिकार है' के भाव को समाज में जागृत करने हेतु स्वामी विवेकानंद जयंती (12 जनवरी) से सुभाष चंद्र बोस जयंती (23 जनवरी) के मध्य 442 जिलों में 1714 कार्यक्रम संपन्न हुए, जिनमें 72331 बंधु बहनों का सहभाग रहा। महिला संवर्ग द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर महिलाओं के लिए कर्तव्य बोध दिवस का एक आयोजन ऑनलाइन भी किया गया जिसमें सात सौ से अधिक शिक्षिकाओं ने भागीदारी की।
- **गुरु वंदन कार्यक्रम :** 'भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा' के आलोक में शिक्षक का कर्मपथ हो, इस दृष्टि से श्री गुरु पूर्णिमा के अवसर पर महासंघ से संबद्ध इकाइयों द्वारा 411 जिलों में 1078 गुरु वंदन कार्यक्रम संपन्न किए गए, जिसमें 66481 बंधु-बहन उपस्थित रहे।
- **वर्ष प्रतिपदा :** वर्ष प्रतिपदा के शुभ अवसर पर विभिन्न इकाइयों द्वारा भारतीय कालगणना के महत्व पर संगोष्ठियाँ, चौराहा सज्जा, गृह सज्जा, दीपदान, शुभेच्छा प्रेषण आदि कार्यक्रम निचली इकाई तक संपन्न किए गए।

'शिक्षा भूषण' अखिल भारतीय शिक्षक सम्मान

महासंघ द्वारा प्रतिवर्ष शैक्षिक एवं सामाजिक दृष्टि से असाधारण एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले तीन शिक्षाविदों को शिक्षा भूषण अखिल भारतीय सम्मान, जिसमें एक लाख रुपए, रजत चिन्ह, सम्मान पत्र आदि शामिल होता है, से सम्मानित किया जाता है। 'शिक्षकों द्वारा शिक्षक का सम्मान' का यह अनूठा उदाहरण है जिसमें सम्मान की संपूर्ण राशि का व्यय शिक्षकों द्वारा मात्र एक बार सौ रुपए के सहयोग से बने अक्षय कोष के माध्यम से होता है।

छठे 'शिक्षा भूषण' अखिल भारतीय शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन इस बार 19 दिसंबर 2021 को कुफरी, शिमला, हिमाचल प्रदेश में गीता मनीषी पूज्य श्री ज्ञानानंद जी महाराज के सानिध्य में हुआ। प्रख्यात भाषाविद् डॉ. बद्री प्रसाद पंचोली, ख्यातनाम शिक्षाविद और लेखक प्रो. कपिल कपूर तथा वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षाविद् श्रीमती रेनू दांडेकर इस बार की सम्मानित विभूतियाँ रही।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति जागरूकता एवं क्रियान्वयन संबंधी कार्यक्रम

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के शिक्षा हितकारी प्रावधानों के प्रति शिक्षकों एवं समाज को जागरूक करने तथा उसके क्रियान्वयन के विभिन्न पक्षों को लेकर महासंघ द्वारा वर्ष पर्यंत विभिन्न कार्यशालाओं, प्रत्यक्ष एवं ऑनलाइन राष्ट्रीय एवं प्रान्तीय संगोष्ठियों एवं बैठकों के माध्यम से गंभीर विचार-विमर्श किया गया।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा, भारतीय उच्च शिक्षा आयोग, ऑनलाइन शिक्षा, नेशनल मिशन फॉर मेंटरिंग, नेशनल प्रोफेशनल स्टैंडर्ड्स फॉर टीचर्स, एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट, नेशनल हायर एजुकेशन क्वालीफिकेशन फ्रेमवर्क, इंस्टीट्यूशनल डेवलपमेंट प्लान आदि प्रमुख विषयों पर महासंघ द्वारा विस्तृत प्रेक्षण और सुझाव शासन को प्रेषित किए गए।

17-18 अक्टूबर 2021 को नई दिल्ली में केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री की उपस्थिति में **'राष्ट्रीय शिक्षा नीति का क्रियान्वयन : चुनौतियाँ और संभावनाएँ'** विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 19 राज्यों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। 22-23 दिसम्बर 2021 को उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद में 'सिनर्जाइजिंग हायर एजुकेशन इन द कॉन्टेक्स्ट ऑफ नेशनल एजुकेशन पॉलिसी : स्ट्रैटजीज फॉर इंप्लीमेंटेशन' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति तथा केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री, 30 कुलपतियों और देश भर के 1000 संभागियों ने भाग लिया। 17 फरवरी 2022 को **'राष्ट्रीय शिक्षा नीति में उच्च शिक्षा : मुद्दे और चुनौतियाँ'** विषय पर आयोजित ऑनलाइन संगोष्ठी में देशभर के 1200 से अधिक उच्च शिक्षा के शिक्षक जुड़े। इसी प्रकार 22 एवं 23 मार्च 2022 'National Education Policy 2020- A Road map to Revamp the Indian Higher Education System' श्री वैंकटेश्वरा विश्वविद्यालय तथा पदमावती महिला विश्वविद्यालय के सहयोग से तिरूपति में सम्पन्न राष्ट्रीय संगोष्ठी में शिक्षा क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारी, 25 से अधिक कुलपतियों एवं 1100 से अधिक शिक्षकों ने भाग लिया। 7 एवं 8 सितम्बर 2022 को बेंगलुरु सिटी विश्वविद्यालय एवं बेंगलुरु नार्थ विश्वविद्यालय के सहयोग से बेंगलुरु में **'उन्नत शिक्षण-उन्नत भारत'** विषय पर सम्पन्न राष्ट्रीय संगोष्ठी में कर्नाटक राज्य के माननीय राज्यपाल महोदय 20 कुलपतियों एवं देश भर के 900 से अधिक शिक्षाविदों ने भाग लिया। अलग-अलग प्रदेशों एवं विश्वविद्यालयों में बड़ी संख्या में इस प्रकार की संगोष्ठियों का आयोजन किया गया।

स्वतन्त्रता का अमृत महोत्सव कार्यक्रम

स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत सम्पूर्ण देश में महासंघ के संगठनों द्वारा अनेक कार्यक्रम सम्पन्न किये गये। एक अगस्त 2022 को एक साथ एक ही दिन में एक समान कार्यक्रम सम्पूर्ण देश में भारत माता पूजन, स्वतन्त्रता सेनानियों एवं सैनिक परिवारों का सम्मान कार्यक्रम 2,10,380 से अधिक विद्यालयों में उत्सव के रूप में मनाया गया। इस अद्भुत एवं ऐतिहासिक कार्यक्रम की सम्पूर्ण देश में बहुत ही सराहना हुई है। स्वतन्त्रता के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत 'इण्डिया से भारत की ओर' थीम पर 750 से अधिक महाविद्यालयों में व्याख्यान, 40 से अधिक विश्वविद्यालयों में संगोष्ठियाँ तथा अनेक जिला स्तरीय कार्यक्रम सम्पन्न हुए हैं और यह क्रम अभी भी चल रहा है।

सेवा कार्य

कोरोना की दूसरी और तीसरी लहर में सेवा कार्य महासंघ की इकाइयों और सदस्यों ने व्यक्तिगत और संस्थागत रूप से आर्थिक सहयोग के अलावा, मासिक सैनिटाइजर, काढ़ा, राशन कार्ड और भोजन पैकेट वितरण में व्यापक स्तर पर सहयोग किया। संगठन की योजना से इकाइयों द्वारा समाज में कोविड-19 उचित व्यवहार एवं वैक्सीन जागरूकता हेतु प्रत्यक्ष एवं ऑनलाइन अभियान संपन्न किए।

एक शिक्षक-एक वृक्ष अभियान के अंतर्गत इस वर्ष 25,000 से अधिक वृक्ष लगाकर उनके पालन का संकल्प लिया गया तथा पिछले वर्षों में लगाए गए वृक्षों का जन्मदिन मनाया गया। एक शिक्षक-एक विद्यार्थी कार्यक्रम के अंतर्गत आर्थिक-सामाजिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों की फीस, यूनिफॉर्म, पुस्तक आदि का व्यय वहन करने की जिम्मेदारी सदस्यों द्वारा ली गई। जीव सृष्टि कल्याण योजना के अंतर्गत पशुओं के लिए चारे-भोजन-पानी व पक्षियों के लिए दाना, घोंसला, परिंडे आदि की व्यवस्था का कार्य भी विभिन्न संबद्ध संगठनों द्वारा बड़े पैमाने पर किया गया। गुजरात इकाई द्वारा 'दत्तक दीकरी' योजना के अन्तर्गत आर्थिक दृष्टि से कमजोर छात्राओं को पुस्तक, गणवेश एवं अन्य सामग्री प्रदान की गई।

कश्मीर में शिक्षकों के हत्यारों पर सख्त कार्रवाई की माँग

कश्मीर में आतंकवादियों द्वारा शिक्षण कार्य में अपने कर्तव्य निभा रहे शिक्षकों की नृशंस हत्या को लेकर महासंघ की इकाइयों ने देश भर में कड़ा विरोध करते हुए हत्यारों पर सख्त कार्रवाई की माँग की गई। आतंकवादियों पर कड़ी कार्रवाई करने के लिए देशभर से ज्ञापन गृह मंत्री एवं उप राज्यपाल जम्मू-कश्मीर को भेजे गए तथा मीडिया के माध्यम से इस बर्बर घटना के विरोध में आक्रोश व्यक्त किया गया।

प्रकाशन

शिक्षकों और समाज के वैचारिक प्रबोधन के लिए पुस्तक प्रकाशन की शृंखला में इस वर्ष दो प्रमुख पुस्तकें प्रकाशित की गई। गुरु तेग बहादुर जी के 400वें प्रकाश वर्ष के अवसर पर '**हिन्द की चादर**' गुरु तेग बहादुरजी के जीवन पर आधारित पुस्तक का प्रकाशन किया गया। नेताजी के 125 वें जयंती वर्ष में प्रकाशित '**जय हिंद**' पुस्तक में लेखक श्री हनुमान सिंह राठौड़, क्षेत्र कार्यवाह उत्तर पश्चिम क्षेत्र ने सुभाष चंद्र बोस के शैक्षिक, राजनीति, आर्थिक और सामाजिक चिंतन को भारत के पुनर्निर्माण की दृष्टि से प्रामाणिक रूप में प्रस्तुत किया है।

शैक्षिक क्षेत्र में पिछले 15 वर्षों से अधिक गुणवत्तापूर्ण नियमित प्रकाशन से अपनी विशिष्ट प्रतिष्ठित पहचान बनाने वाली 'शैक्षिक मंथन' मासिक पत्रिका के इस वर्ष विभिन्न शैक्षिक और सामाजिक विषयों सहित स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव के अंतर्गत शिक्षकों, वैज्ञानिकों, साहित्यकारों-पत्रकारों, महिलाओं सहित विभिन्न ज्ञात-कमज्ञात-अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों पर विशेषांक प्रकाशित करने की प्रक्रिया जारी है।

स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव के अंतर्गत संघर्ष काल में शिक्षा के माध्यम से अलख जगाने वाले भारतीय महापुरुषों की उक्तियों एवं चित्रों से सुसज्जित वार्षिक कैलेंडर का प्रकाशन भी महासंघ द्वारा किया गया है। महासंघ द्वारा देशभर में हो रही उसकी गतिविधियों की जानकारी मासिक न्यूज़लेटर 'एबीआरएसएम समाचार' के माध्यम से प्रकाशित की जाती है । इसके अलावा संबद्ध राज्य संगठनों द्वारा मासिक/पाक्षिक पत्रिकाओं, न्यूज़लेटर, कैलेंडर, डायरी आदि का प्रकाशन भी नियमित रूप से होता है।

प्रस्ताव

महासंघ की साधारण सभा द्वारा इस वर्ष के लिए तीन प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकार किए गए हैं -

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन के लिए सामूहिक प्रयास और समुचित संसाधन आवश्यक।
- स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव राष्ट्रीय पुनर्निर्माण का पर्व बने।
- शिक्षा एवं शिक्षकों की समस्याओं का निराकरण प्राथमिकता से किया जाए।

कार्य विस्तार

महासंघ ने उच्च शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों यथा कृषि एवं पशु चिकित्सा विज्ञान, केंद्रीय विश्वविद्यालय, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजीज़ के शिक्षकों के साथ व्यापक स्तर पर बैठक संपन्न कर तीनों के अलग-अलग फोरम बनाकर इन क्षेत्रों में सघन काम करना प्रारंभ किया है ।

संगठनात्मक गतिविधियाँ

महासंघ और इससे संबंधित संगठनों की अखिल भारतीय स्तर से लेकर खण्ड इकाई स्तर तक कार्यकारिणी बैठकें, कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग/ प्रशिक्षण वर्ग, नवीन कार्यकर्ता परिचय वर्ग, अधिवेशन, विधानानुसार संगठनात्मक निर्वाचन नियमित रूप से होते हैं। प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च शिक्षा और महिला संवर्ग के साथ-साथ शैक्षिक, प्रशिक्षण और मीडिया प्रकोष्ठ अपनी-अपनी कार्ययोजना के अनुसार नियमित रूप से संगठनात्मक गतिविधियाँ संपन्न करते हैं। महासंघ की केन्द्रीय कार्यकर्ता टोली बैठक 18-19-20 दिसम्बर 2022 को कुफरी, शिमला में सम्पन्न हुई।

अखिल भारतीय शोध निबंध प्रतियोगिता

महासंघ द्वारा विद्यालय एवं उच्च शिक्षा स्तर के लिए शिक्षा और समाज से जुड़े चार-चार विषयों पर अखिल भारतीय शोध निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें 1,000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। निष्पक्ष निर्णायक मंडल द्वारा मूल्यांकन के पश्चात विजेताओं को नगद पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र दिए गए । चयनित निबंधों को शीघ्र ही पुस्तक रूप में प्रकाशित किया जा रहा है।

शिक्षक समस्याओं के समाधान हेतु गतिविधियाँ

विद्यालय एवं उच्च शिक्षा के शिक्षकों की विभिन्न स्तरों पर लंबित समस्याओं के लिए महासंघ और उससे संबंधित संगठनों द्वारा पत्र, ज्ञापन, सोशल मीडिया, भेंट वार्ता आदि के माध्यम से नियमित प्रयास किए गए। विभिन्न स्तरों पर शिक्षा अधिकारीगण, प्रशासनिक अधिकारीगण, कुलपतिगण, यूजीसी अध्यक्ष, शिक्षा मंत्रीगण, मुख्यमंत्रीगण आदि से विभिन्न विषयों के समाधान को लेकर भेंट की गई। महासंघ के प्रयासों से कई समस्याओं का समाधान हुआ या समाधान की दिशा में प्रगति हुई।

आगामी कार्य योजना

- 'मेरा विद्यालय-मेरा तीर्थ' कार्यक्रम के माध्यम से न्यूनतम एक हजार विद्यालयों का कायाकल्प करना।
- उच्च शिक्षा क्षेत्र में चिकित्सा शिक्षा, प्रबंध शिक्षा, शिक्षक शिक्षा, कृषि एवं पशुपालन शिक्षा अभियांत्रिकी एवं वास्तुकला शिक्षा, विधि शिक्षा एवं राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के शिक्षकों में सुनियोजित संगठनात्मक ढाँचा खड़ा करना।
- वर्ष 2025 तक विद्यालय क्षेत्र में प्रत्येक मंडल (6-8 विद्यालयों का समूह) तक पहुँचना ।
- वर्ष 2025 तक न्यूनतम 300 विश्वविद्यालयों में संगठनात्मक संरचना खड़ी करना।
- फरवरी 2023 में जनसंख्या नीति को केन्द्र मानकर एक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन करना।

अन्त में मैं अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के सभी पदाधिकारियों, कार्यकारिणी के सदस्यों एवं देशभर के कार्यकर्ताओं का हृदय से आभारी हूँ जिनके सहयोग से यह सब कुछ प्राप्त करना सम्भव हुआ है। जो भी कुछ कमियाँ कार्य में यदि रही हैं उसके लिए मैं व्यक्तिगत रूप से क्षमाप्रार्थी हूँ।

भवदीय

(शिवानन्द सिन्दनकेरा)
महामंत्री